


---

# Svami Vivekanandasam Stuti

——  
स्वामिविवेकानन्दसंस्तुतिः

——  
Document Information



---

Text title : Svami Vivekanandasam Stuti

File name : svAmivivekAnandasaMstutiH.itx

Category : deities\_misc, gurudev, rAmakRiShNa, stuti

Location : doc\_deities\_misc

Author : Swami Balaramananda

Proofread by : Aruna Narayanan

Description-comments : rAmakRiShNastotramALA, stavanAnjali

Acknowledge-Permission: Ramakrishna Shivananda Mission, Varasat

Latest update : June 12, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Svami Vivekanandasam Stuti

---

### स्वामिविवेकानन्दसंस्तुतिः

---



अप्पाणं सख्येदानन्दं, पूर्णं ब्रह्मसनातनम् ।  
आविर्भूतं जगत् त्रातुं, स्वामिनं तं नमाम्यहम् ॥ १ ॥

वीरेश्वरः शिवः साक्षात्, नररूपेण रूपितम् ।  
सेवार्थमार्त्तदीनानां, स्वामिनं तं नमाम्यहम् ॥ २ ॥

लीलासुखरश्रेष्ठं, गुरुभक्ति-परायणम् ।  
ध्यानसिद्धं तपोनिष्ठं, स्वामिनं तं नमाम्यहम् ॥ ३ ॥

योऽस्ति श्रीरामकृष्णस्य, दासो जन्मनि जन्मनि ।  
आगतस्तस्यकार्यार्थं, स्वामिनं तं नमाम्यहम् ॥ ४ ॥

येनावबोधितं तत्त्वं, शारदा-रामकृष्णयोः ।  
सारं य सर्वधर्माणां, स्वामिनं तं नमाम्यहम् ॥ ५ ॥

शङ्कराचार्यवद् यस्मिन्, प्रतिभास्ति तथैव य ।  
कारुण्यं बुद्धदेवस्य स्वामिनं तं नमाम्यहम् ॥ ६ ॥

देशदेशान्तरं गत्वा, सर्वे धर्माः समन्विताः ।  
वेदान्त-दीप-द्रष्टारं, स्वामिनं तं नमाम्यहम् ॥ ७ ॥

अत्यन्त प्राकृतस्थापि बोधनार्थं सुप्ताय य ।  
व्याख्यातो-वेद-वेदान्तः स्वामिनं तं नमाम्यहम् ॥ ८ ॥

आत्मनो मोक्षलाभार्थं, जगद्धिताय ल्येव य ।  
नवसंन्यासिसङ्घस्य, स्थापकं तं नमाम्यहम् ॥ ९ ॥

मूर्तिमन्तं मनुष्यत्वं, नरेन्द्रं धृति संज्ञितम् ।  
वन्दे नर ऋषिं दिव्यं, विवेकानन्द-रूपिणम् ॥ १० ॥

विश्वस्य सर्वधर्माणां, धर्मग्लानि-निवारकम् ।  
युगाचार्य-वशिष्ठं तं, भूयो भूयो नमाम्यहम् ॥ ११ ॥


माता मे शारदादेवी, रामकृष्णः पिता स्वयम् ।

विवेकानन्द-आचार्यः, सर्वे भक्ताश्च बान्धवाः ॥ १२ ॥


इति स्वामिबलरामानन्दविरचिता “विवेकानन्दसंस्तुतिः” समाप्ता ।

Proofread by Aruna Narayanan

---

——  
*Svami Vivekanandasam Stuti*

pdf was typeset on June 12, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

